

Title: Regarding police atrocities against the women agitating for shortage of water at the residence of the Honourable Prime Minister.

श्रीमती सुशीला सरोज (मिसरिख) : अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने जो कल प्रदर्शन किया था, मैं आपको यह अखबार दिखाना चाहती हूँ कि वहाँ पर एक भी महिला पुलिस नहीं थी।...(व्यवधान) पुलिस ने जबरदस्ती एक महिला को ऊपर उठा लिया।...(व्यवधान) मैं सदन के सामने दिखाना चाहती हूँ।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, if you want to raise matters during Zero Hour in this manner, it will be very difficult to run the House.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have a list. I will call one-by-one and not like this.

श्रीमती सुशीला सरोज : अध्यक्ष महोदय, यह पहला मौका नहीं है।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में जहाँ से हम लोग चुनकर आये हैं, वहाँ महिलाओं के ऊपर अत्याचार बढ़ गए हैं चाहे वह गरीब महिला हो या स्वर्ण महिला हो। महिलाओं के ऊपर अत्याचार किये जा रहे हैं।...(व्यवधान) सीतापुर जिले में एक महिला और उसके पति को...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बाद में बोलिएगा। आप बैठिए। आप इसके बाद बोलिए। इसके बाद आपको बुलाऊंगा। अभी आप बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Suresh Kurup will speak.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, महिलाओं के साथ निर्दयता पूर्वक पुलिस का व्यवहार...(व्यवधान) जब महिलाएं वहाँ प्रदर्शन कर रही थीं तो महिला पुलिस का रहना अनिर्वाय था।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shrimati Renuka Chowdhury, you are a senior Member. You have already raised the matter.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please hear me first. What is this?

...(Interruptions)

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : She wants to speak.

MR. SPEAKER: Why should you recommend her name?

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: She can straightaway raise the matter.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: No, no; you have raised a matter with regard to privileges. You have given a notice. It is under my consideration. I have already called for the facts.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: How can you raise the matter like this?

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, it is with a very heavy...(Interruptions)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर स्वाल है।...(व्यवधान)

आगरा के लोग प्रधान मंत्री जी के आवास पर पानी मांगने के लिए जब धरना दे रहे थे, उस समय महिला प्रदर्शनकारियों के साथ जिस बेरहमी, निर्दयता और अस्भ्यता का व्यवहार पुलिस सिपाहियों के द्वारा किया गया, यह निहायत ही शर्मनाक है।...(व्यवधान) इससे यह साफ है कि महिलाओं के प्रति सरकार का दृष्टिकोण क्या है ?...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you are not going to cooperate with the Chair, I am going to adjourn the House.

...(Interruptions)

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल (जलेश्वर) : जो सरकार पानी तक नहीं पिला सकती, उसको एक मिनट भी सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.15 p.m.

1316 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen minutes

past Fourteen of the Clock.

1422 hrs

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at twenty-two minutes

past Fourteen of the Clock.

(Mr. Basu Deb Acharia in the Chair)

MR. CHAIRMAN : Shri Ram Jethmalani to move the Bill to repeal the Indian Companies (Foreign Interests) Act, 1918 and the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Act, 1974.

...(Interruptions)

SHRI K.P. SINGH DEO (DHENKANAL): She has been insulted by the Collector. She is talking about the privilege notice. The lady MP has been insulted by a Collector.

MR. CHAIRMAN: She can raise it tomorrow.

â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती सुशीला सरोज (मिसरिख) : महोदय, महिलाओं की समस्या का मामला है।... (व्यवधान)

स्भापति महोदय : आप अभी बैठ जाइए, कल बोलिए।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : आप लंच के बाद भी रोज जीरो ऑवर चलाएंगे। मैं आपसे हाथ जोड़ता हूँ कि आप सदन के साथ ऐसे मत करिए।... (व्यवधान) मैं आपकी बात मानता हूँ। आप इस पर कल बोलिए और जितना चाहे बोलिए, लेकिन ऐसा मत करिए। यह ठीक नहीं है।... (व्यवधान) आप बिलकुल गलत कर रहे हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : महोदय, हमारी बात सुन लीजिए, यह बहुत गंभीर मामला है।... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except the speech of the Minister.

(Interruptions) *

स्भापति महोदय : आप बैठ जाइए। आप जो बोल रहे हैं, वह रिकार्ड में नहीं जा रहा है। आप जीरो ऑवर में इस मामले को उठा चुके हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, यह गंभीर मामला है, आप सुन लें। आपसे विनम्र आग्रह है कि आप महिलाओं की बात को सुन लें।

स्भापति महोदय : सुमन जी, आप बैठ जाइये।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : स्भापति जी, बहुत महत्वपूर्ण मामला है, महिलाओं का मामला है।... (व्यवधान)

श्रीमती सुशीला सरोज : स्भापति जी, महिलाओं की समस्या है, आप दो मिनट का समय दीजिए।... (व्यवधान) यह किसी एक दल की बात नहीं है, पूरे महिला समाज की बात है, आप दो मिनट का समय दे दीजिए।

स्भापति महोदय : आज नहीं, कल बोलियेगा, कल इजाजत मिलेगी।

श्री रामजीलाल सुमन : स्भापति महोदय, गंभीर मामला है, प्रदर्शन के दौरान कोई महिला पुलिस नहीं थी। पुलिस ने महिलाओं पर लाठी बरसाई है।... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record except what the Minister says.

(Interruptions) *

*** Not Recorded**

श्रीमती सुशीला सरोज : स्भापति जी, गर्मी के कारण जल्स्तर बहुत नीचे चला गया है और लोग वहां पर एक-एक बूंद पानी के लिए तर्स रहे हैं। आगरा से सांसद श्री राज बब्बर के नेतृत्व में अपनी मांगों को लेकर महिलाएं दिल्ली आई थीं। आज आपने अखबारों में भी देखा होगा। आज टाइम्स ऑफ इंडिया ने भी छापा है।

स्भापति महोदय : इस बात को खुद राज बब्बर जी कल उठा चुके हैं। वे खुद इस पर कल बोल चुके हैं।

श्रीमती सुशीला सरोज : मैं माननीय सांसदों से भी चाहूंगी कि वे इस मुसले पर सहयोग दें। यह कोई समाजवादी पार्टी के प्रदर्शन की बात नहीं है, यह महिलाओं पर ज्यादती की बात है। जब भी महिलाएं अपनी मांगों को लेकर दिल्ली आती हैं तो महिला पुलिस को न लगाकर पुरू पुलिसकर्मियों को लगाया जाता है, जो महिलाओं को निर्वस्त्र करते हैं। यह गंभीर मामला है। इस पर महिलाओं की एक समिति बनाकर इस मामले की जांच करवाई जाये तथा दोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record now.